antim yatra:arunjaity.qxd 9/26/2010 7:39 PM Page 54

झंडेवाला: नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह

झंडेवाला: नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल के प्रतिनिधि

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में देहदान हेतु पहुँची नानाजी की पार्थिव देह

जाया गया। नानाजी के अंतिम दर्शनों के लिए फिर यहां भी जनसैलाब टूट पड़ा। संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश जी जोशी, सह सरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी, प्रचारक प्रमुख श्री मदनदास देवी, भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी, पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी, भाजपा नेता डा. मुरली मनोहर जोशी, श्रीमती सुषमा स्वराज, श्री अरुण जेतली, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष श्री अशोक सिंहल, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री रमेश चंद्र पोखरियाल, विहार के उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी व झारखंड के उपमुख्यमंत्री श्री रघुवरदास सहित नानाजी के हजारों शुभचिंतकों ने अपने मार्गदर्शक के पार्थिव शरीर के दर्शन किए और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

नानाजी ने अपने इलाज के लिए दिल्ली आने से इनकार कर दिया था। लेकिन दूसरों के उपचार के लिए उनकी देह का प्रयोग हो, यह उनकी तीव्र इच्छा थी। श्री आडवाणी, श्री गडकरी, श्रीमती स्वराज, श्री जेतली, श्री नरेंद्र मोदी, श्री शिवराज सिंह चौहान व श्रीमती वसुंधरा राजे समेत तमाम नेता नानाजी की इस अंतिम इच्छा की पूर्ति के लिए उनका पार्थिव शरीर सौंपने के लिए देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पहुंचे जिसका

नानाजी ने काफी पहले ही बंदोबस्त कर दिया था। दधीचि देहदान समिति को अपना देहदान करके अपने जीवन के 81वें साल में नानाजी इस समिति के पहले देहदानी बने थे। उस वक्त दूरदर्शी नानाजी को यह भी लगा कि उनके अंतिम श्वांस लेने पर किस तरह उनका शरीर एम्स को सुपुर्द होगा, तब उन्होंने 11, 000 हजार रूपये का बैंक ड्राफ्ट देहदान समिति को सौंपा और कहा कि मेरे पार्थिव शरीर को दिल्ली लाने के लिए यह रकम काम आएगी।

लोग यह प्रेरणादायी खबर भूल चुके थे। इसलिए दिल्ली में 8 मार्च को नानाजी की श्रद्धांजलि सभा में जब देहदान समिति की तरफ से नानाजी की देहदान की इच्छा और उस बाबत रूपये की व्यवस्था का पत्र पढ़ा गया, तब लोग अतीत में खो गए और एक बार फिर सबने नानाजी को नमन किया जो निर्विकार रूप में मंच से सबको निहार रहे थे। शायद वह यह कहना चाह रहे थे कथनी-करनी में समरूपता रखना ही जीवन की असली कसौटी होनी चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने सलाह दी कि नानाजी सदैव सभी के साथ सामान्य व्यवहार रखने वाले व्यक्ति